VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 18 AUG 2023 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2085)

Name of Candidate	KPARIKSHIT		
Medium Eng./Hindi	HINDI	Registration Number	683437
Center	MN	Date	18-Aug. 2023

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **HINDI & ENGLISH.**
   इसमें बीस प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?

Recommended	Strongly Recommended

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

2085
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. पाल साम्राज्य को बौद्ध कला के विशिष्ट रूप के लिए जाना जाता है। इस संदर्भ में, कला के क्षेत्र में पाल वंश के योगदानों पर चर्चा कीजिए।
The Pala Empire is known for a distinctive form of Buddhist art. In this context, discuss the contributions made by the Pala dynasty towards art. (Answer in 150 words) 10

पाल साम्राज्य की स्थापना गोपाल द्वारा लगभग 750ई. में की गई। इनका शासन वर्तमान बंगाल, बिहार व उडीसा के क्षेत्र में रहा। 400 वर्ष के इनके शासन काल में कला के क्षेत्र महत्वपूर्ण विकास हुआ।

☆ कला के क्षेत्र में योगदान

① मूर्तिकला → इस क्षेत्र में 'लोस्ट वैक्स तकनीक' की मदद से कांस्य मूर्तिकला का अत्यंत विकास हुआ।
उदा. → भूमि स्पर्श मुद्रा में बुद्ध की मूर्ति

② स्थापत्य कला → बौद्ध स्थापत्य से जुड़े निर्माण जैसे 'विक्रमशिला विहार' व स्तूपों का निर्माण धर्मपाल व देवपाल नामक शासकों द्वारा करवाया गया।

③ साहित्य एवं शिक्षा → धर्मपाल द्वारा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्थापित विक्रमशिला विश्वविद्यालय बौद्ध धर्म की शिक्षाओं का प्रमुख केन्द्र रहा।

• शासकों द्वारा नालंदा महाविहार हेतु भूमि दान की गई।

(5) चित्रकला → पाल वंश के शासन के दौरान बुद्ध का विभिन्न मुद्राओं में चित्रांकन किया गया।

पाल शासक हिंदू धर्म से संबंधित होने के बावजूद इनके द्वारा बौद्ध धर्म को संरक्षण देना भारतीय मूल्यों में छिपे सांप्रदायिक सौहार्द को दिखाता है।

2085
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. आदि शंकराचार्य ने अपनी महान क्षमता से हिंदू धर्म को पुनः स्थापित किया और उत्कृष्ट स्पष्टीकरण प्रस्तुत करते हुए वैदिक परंपरा को फिर से प्रतिष्ठित किया। चर्चा कीजिए।
It was Adi Shankaracharya's genius that reinvented Hinduism and re-established the Vedic tradition with excellent commentaries. Discuss. (Answer in 150 words) 10

आदि शंकराचार्य का जन्म 8वीं शताब्दी में चेर साम्राज्य के अधीन वर्तमान केरल राज्य में हुआ था। इनके द्वारा 'अद्वैतवादी दर्शन' को प्रतिपादित किया गया। धर्म की बेहतर व गहरी समझ के कारण इन्होने हिंदू धर्म को पुनः स्थापित करने का कार्य किया।

आदि शंकराचार्य का योगदान (हिंदू धर्म व वैदिक परंपरा को प्रतिष्ठित करने में)

① बहुत ही कम उम्र में वेदों का अध्ययन कर धर्म की समझ को विस्तृत किया → मंडन मिश्र जैसे विद्वानों को शास्त्रार्थ में परास्त कर हिंदू धर्म को लोकप्रिय बनाया।

② जगत को 'माया' तथा 'अहं ब्रह्मास्मि' का नारा देकर हिंदू धर्म में आडंबरों को खारिज किया।

③ उस समय लोकप्रिय बौद्ध धर्म की कमियों व

पाखंडो को उजागर किया जिससे लोग हिंदू धर्म की ओर आकर्षित हुए।

(4) देश के चारों कोनों में 4 मठों (द्वारका, बद्रीनाथ, पुरी व श्रृंगेरी) की स्थापना कर हिंदु धर्म का प्रचार-प्रसार किया।

हालांकि इन्होने ज्ञान मार्ग व निर्गुण भक्ति पर जोर दिया जो कि सर्वजन सुलभ साधन नही था। लेकिन इन्होने सगुण भक्ति को निर्गुण तक पहुँचने का मार्ग माना।

इस तरह शंकराचार्य ने परास्त व नैराश्य की भावना से भरे हुए हिंदू धर्म को पुन: स्थापित करने का सफल प्रयास किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. औपनिवेशिक वन नीतियां स्थानीय लोगों के कल्याण और पर्यावरण की चिंता किए बिना ब्रिटिश साम्राज्य की जरूरतों से प्रेरित थीं। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए।
The colonial forest policies were driven by the needs of the British Empire with no concern for the well-being of the locals and the environment. Discuss in the context of India. (Answer in 150 words) 10

ब्रिटिश काल के दौरान घटित हुए अधिकांश जनजातीय आंदोलन (जैसे - खोंड आंदोलन) ब्रिटिशर्स की शोषणकारी नीतियों के ही परिणाम थे। इन नीतियों में ही 'वन नीतियां' भी शामिल रही।

औपनिवेशिक वन नीतियां: ब्रिटिश साम्राज्य की जरूरतों से प्रेरित →

① अंग्रेजों के आगमन से पूर्व 'वनों' पर वनवासियों का पैतृक अधिकार था लेकिन अंग्रेजों ने वन नीतियों के माध्यम से इनसे यह अधिकार छीन लिया।

② 1850 के पश्चात 'रेलवे के विकास' हेतु लकड़ियों व कोयले की जरूरत को पूरा करने के लिए मध्य भारत से वनों का अंधाधुंध दोहन किया गया।

③ इन्ही नीतियों के तहत वनवासियों के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सामाजिक अधिकारों में भी हस्तक्षेप किया गया। उदा. → बलि प्रथा पर रोक (खोंड विद्रोह का कारण)

(4) ब्रिटेन की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु खेती के लिए भी वनों का दोहन किया गया।

(5) '1927 का वन अधिनियम' इसी तरह की नीतियों का उदाहरण है।

चूँकि औपनिवेशिक नीतियों का मूल उद्देश्य 'मातृ देश' को लाभ पहुँचाना होता है अतः इनमें उपनिवेश का अनिवार्यतः शोषण होता ही है। जिसका परिणाम भारत को निर्वनीकरण के रूप में झेलना पड़ा।

2085
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. पंचशील और गुटनिरपेक्षता के सिद्धांतों ने शीत युद्ध के दौर में भारत को मार्गदर्शित करने में सहायता प्रदान की। चर्चा कीजिए।
The principles of Panchsheel and Non-Alignment aided India in maneuvering the Cold War era. Discuss. (Answer in 150 words) 10

सामान्यत: द्वितीय विश्व युद्ध से लेकर 1991 तक के वैचारिक संघर्ष/तनाव (USA व USSR के मध्य) के दौर को शीत युद्ध के रूप में जाना जाता है। इस दौरान पंचशील व गुट निरपेक्षता की नीति ने भारतीय विदेश नीति को मार्गदर्शित किया।

☆ पंचशील व गुटनिरपेक्षता द्वारा मार्गदर्शन →

① गुटनिरपेक्षता का उदय बांडुंग सम्मेलन से माना जाता है। इसके सदस्य देशों द्वारा तात्कालिन महाशक्तियों (USA, USSR) के गुट में शामिल होने से इंकार कर दिया था।

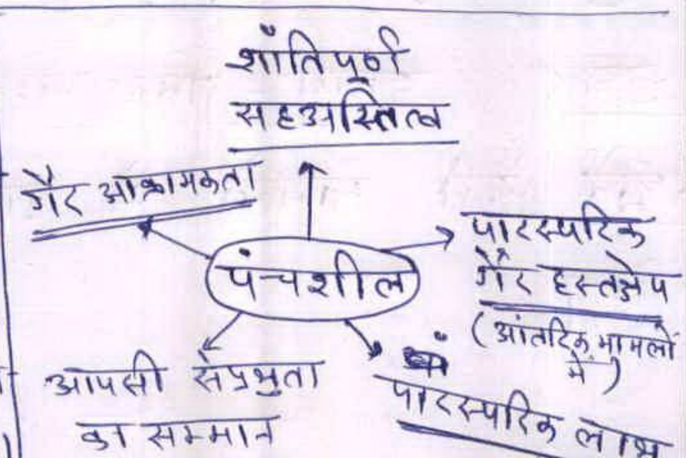

② 'सामरिक स्वायत्तता' → इन सिद्धांतों के कारण भारत अपनी विदेशी नीति को महाशक्तियों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

द्वारा निर्देशित होने से बचा सका।

(3) उपनिवेशवाद का विरोध, रंगभेद की नीति का विरोध जैसे लक्ष्यों को हासिल करने में योगदान।

(4) दोनों महाशक्तियों से बेहतर संबंध रखते हुए देश के आर्थिक विकास में दोनों का सहयोग प्राप्त करना।

वर्तमान में भी पंचशील व गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत UNO जैसी संस्थाओं में सुधार, दक्षिण-दक्षिण सहयोग, जलवायु क्षतिपूर्ति जैसे मामलों में प्रासंगिक बने हुए हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. 19वीं शताब्दी के यूरोप की प्रमुख विशेषताओं में से एक राष्ट्रीय एकीकरण के लिए संघर्ष था। जर्मनी के संदर्भ में चर्चा कीजिए।
One of the major features of the 19th century Europe was the struggle for national unification. Discuss in the context of Germany. (Answer in 150 words) 10

18वीं सदी के अंत में अमेरिकी व फ्रांस की क्रांति की सफलता ने यूरोप में राष्ट्रवाद की लहर पैदा करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

19वीं सदी में यूरोप में राष्ट्रीय एकीकरण

① फ्रांस की क्रांति से जन्में नेपोलियन ने अपने सैन्य अभियानों से फ्रांस के साम्राज्य के अधीन बड़े क्षेत्र का एकीकरण किया। → इससे राष्ट्रवाद की भावना प्रबल हुई (विजित क्षेत्रों में।

② 1839 से शुरु हुआ इटली का एकीकरण → मैजिनी गैरीबाल्डी व काबुर द्वारा 1861 में इटली का एकीकरण संपन्न किया गया

③ इटली के एकीकरण का प्रभाव अन्य पड़ोसी राज्यों जैसे प्रशा, आस्ट्रिया पर भी पड़ा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

✲ जर्मनी का एकीकरण,

① इसमें 'बिस्मार्क' की 'रक्त एवं लौह की नीति' का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

② जर्मनी के सफल एकीकरण की शुरुआत 'डेनिश के युद्ध' से हुई जिसमें प्रशा को श्लेसविग जैसे क्षेत्र की प्राप्ति हुई।

③ इसके पश्चात 'आस्ट्रिया व प्रशा' के युद्ध में आस्ट्रिया को परास्त कर उससे अधीन क्षेत्रों को आजाद करवाया गया।

④ अंततः 'फ्रांस' के साथ युद्ध करके उसे परास्त कर 'रॉन' जैसे क्षेत्रों को प्राप्त किया गया।

इस तरह 'वर्साय के महल' में एकीकृत जर्मनी के सम्राट की ताजपोशी हुई। इस एकीकरण ने दीर्घकाल में प्रथम विश्व युद्ध का मार्ग प्रशस्त किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. ट्रिपल डिप ला नीना परिघटना क्या है? विश्व के विभिन्न क्षेत्रों पर इसके संभावित प्रभाव की विवेचना कीजिए।
What is the triple dip La Niña phenomenon? Discuss its likely impact on different regions of the world. (Answer in 150 words) 10

• ला नीना परिघटना पूर्वी प्रशांत महासागर में पेरू के तट पर घटित होने वाली वायुमंडलीय - धरातलीय परिघटना है। जिसमें पेरू तट पर बहने वाली ठंडी महासागरीय धारा अधिक प्रबल हो जाती है।

2020 के पश्चात लगातार 3 वर्ष से ला नीना के Active रहने से इस परिघटना को 'ट्रिपल डिप ला नीना परिघटना' कहा जा रहा है।

इसके संभावित प्रभाव

(i) पेरू तट पर →

(a) महासागरीय ठंडे जल के साथ पोषक तत्वों ऊपर आने से मत्स्यन हेतु अनुकूल दशाओं का निर्माण

(b) पेरू व चिली के तटवर्ती स्थलीय क्षेत्रों में उच्च दाब पेटी

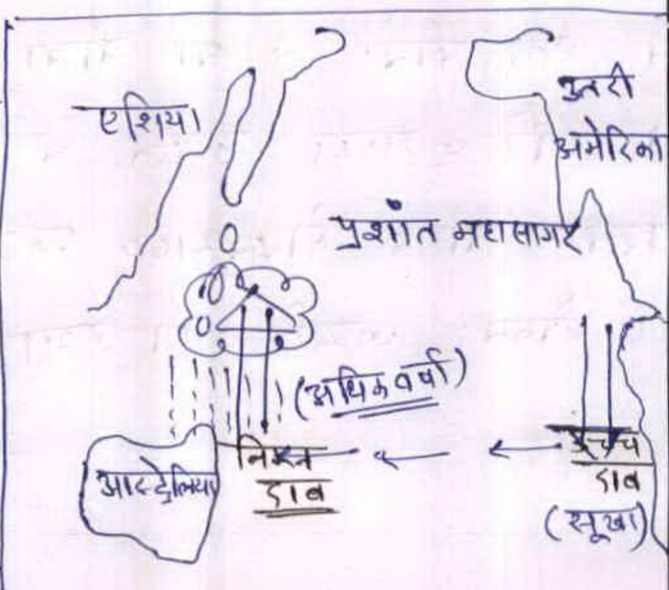

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के निर्माण के चलते 'सूखे की दशाएं'।

(3) भारत, दक्षिण पूर्वी एशिया तथा आस्ट्रेलिया में इस दौरान मानसूनी वर्षा की मात्रा में बढ़ोतरी हो जाती है → फलतः बाढ़ की दशाएं।

(4) संपूर्ण विश्व के औसत तापमान में इस दौरान कमी देखी जा सकती है।

(5) मध्य अमेरिका में औसत से कम वर्षा।

इस तरह ला नीना का प्रभाव वैश्विक स्तर पर पड़ता है। जलवायु परिवर्तन ने एल नीनो व ला-नीना जैसी परिघटनाओं को और ज्यादा प्रबल बना दिया है अतः वैश्विक तापन को सन् 2100 तक 1.5°C से कम पर रोकना जरूरी हो गया है।

2085
VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. जलविद्युत दुनिया भर में निम्न कार्बन उत्सर्जन वाली ऊर्जा आपूर्ति का एक प्रमुख स्रोत है, लेकिन भारत के कुल इलेक्ट्रिसिटी मिक्स में इसकी हिस्सेदारी बहुत कम बनी हुई है। चर्चा कीजिए।
Hydropower is a major source of low-carbon energy supply across the world but its share in India's total electricity generation remains low. Discuss. (Answer in 150 words) 10

नदियों पर बड़े-बड़े बाँध बनाकर उनमें पानी को एकत्रित कर टरबाइन को घुमाकर विद्युत पैदा करना जल विद्युत कहलाता है। वैश्विक स्तर पर यह ऊर्जा आपूर्ति का तीसरा बड़ा साधन है।

अमेरिकी व यूरोपीय देशों द्वारा अपनी जल विद्युत संभाव्यता के 70-80% के विपरीत भारत द्वारा उसकी जल विद्युत संभाव्यता का केवल 1/4 भाग ही प्राप्त किया गया है।

भारत में कम हिस्सेदारी के कारण,

① हिमालयी पारितंत्र का अत्यंत 'फ्रेजाइल' होना → इसके कारण हिमालयी युवा नदियों में जल विद्युत की क्षमता का पर्याप्त दोहन नहीं हो पा रहा है।
उदा.→ उत्तराखंड में बड़े-बाँधो के चलते जमीन धंसने की समस्या।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) सिंधु की सहायक नदियों पर जलविद्युत परियोजना के निर्माण में पाकिस्तान द्वारा अड़ंगा → सिंधु जल समझौते के चलते किशनगंगा, रतले परियोजना पर प्रभाव।

(3) प्रायद्वीपीय नदियों में जल विद्युत की पर्याप्त क्षमता का नहीं होना।

(4) हिमालय के दुर्गम क्षेत्र में परियोजना लागत का अत्यधिक होना।

(5) लोगों द्वारा विरोध → टिहरी बांध परियोजना का विरोध

(6) ऊर्जा के अन्य स्रोत जैसे → सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि की अधिक संभावना।

भारत द्वारा अपने पंचामृत लक्ष्यों तथा 2070 तक नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऊर्जा क्षेत्र को विकार्बनीकृत करने के लिए जल विद्युत को बढ़ावा देना अत्यंत जरूरी है।

8. हाल ही में तुर्किये में आए भूकंप के संदर्भ में, सिस्मिक गैप की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। साथ ही, भूकंप की तीव्रता के लिए उत्तरदायी कारणों को भी सूचीबद्ध कीजिए।

Explain the concept of seismic gap in the context of the recent earthquake in Turkey. Also, enlist the reasons behind the severity of the earthquake. (Answer in 150 words) 10

सिस्मिक गैप से तात्पर्य सामान्य भ्रंश रेखा के सहारे भूकंपीय गतिविधियों में वृद्धि होना है। यह क्षेत्र भू-गर्भीय घटनाओं के लिए अत्यंत संवेदनशील होता है। तुर्की व सीरिया में आए हालिया भूकंप के लिए भी यही क्षेत्र जिम्मेदार था।

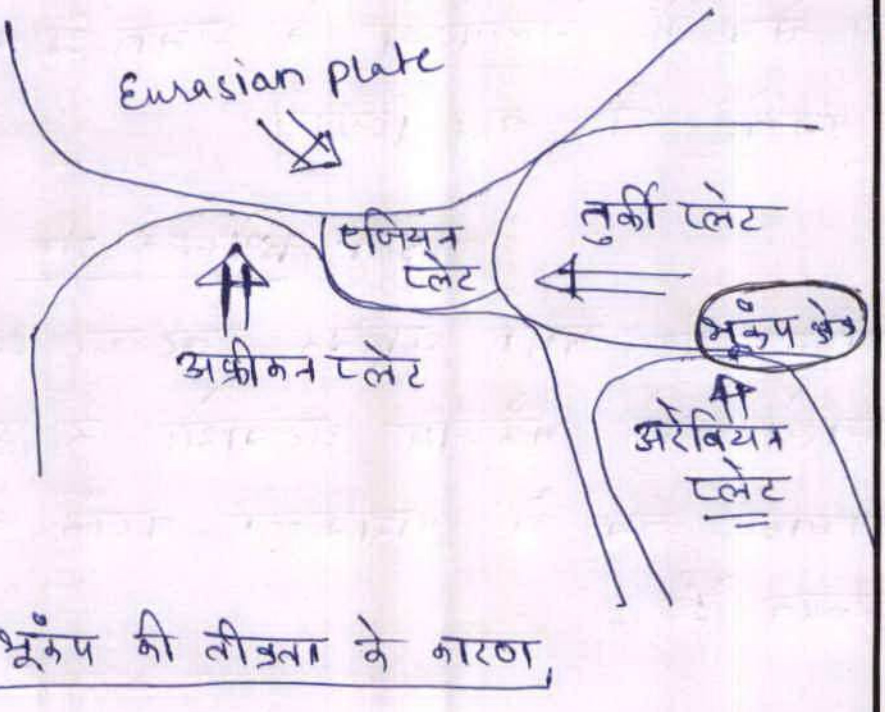

तुर्की भूकंप की तीव्रता के कारण

① इस क्षेत्र का भूकंप प्रभावित 'महाद्वीपीय पेटी' में आना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) तुर्की - सीरिया का यह क्षेत्र कई प्लेटों के अभिसरण (अरेबियन, यूरेशियन व अफ्रीकन) क्षेत्र में स्थित है। अतः यह क्षेत्र भूकंपीय दृष्टि से संवेदी क्षेत्र है।

(3) अनातोलियन भ्रंश → यह सामान्य भ्रंश का क्षेत्र है जहां सिस्मिक गैप के चलते इस क्षेत्र में तीव्र भूकंप आया।

(4) इसके अतिरिक्त भूकंपीय आपदा के प्रति इस क्षेत्र में तैयारियों के अभाव ने भूकंप के प्रभावों को बढ़ा दिया।

अतः सिस्मिक गैप की मैपिंग कर तथा वैश्विक स्तर पर समन्वित प्रयासों से भूकंपीय घटनाओं के प्रति सामान्य जन में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. भारत में विवाहों की हालिया प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालते हुए, व्याख्या कीजिए कि समलैंगिक विवाह के कानूनी समर्थन को मौलिक महत्व का मुद्दा क्यों कहा जा रहा है।
Highlighting the recent trends in marriages in India, explain why the legal backing of same-sex marriage is being termed as an issue of seminal importance. (Answer in 150 words) 10

भारत में विवाह को एक पवित्र बंधन माना जाता है तथा 16 संस्कारों (पाणिग्रहण संस्कार) में इसे शामिल किया जाता है। इसे 'पितृ ऋण' को चुकाने के लिए अनिवार्य माना जाता है।

भारत में विवाह की हालिया प्रवृत्तियां

1. अंतर्जातीय विवाहों व अंतर्धार्मिक विवाहों की संख्या में बढोतरी।
2. 'लव मैरिज' जैसे कॉनसेप्ट की बढ़ती लोकप्रियता
3. 'लिव इन रिलेशनशिप' का नया कॉनसेप्ट
4. विवाह की औसत उम्र में बढोतरी → जो महिलाओं के लिए लगभग 23 साल हो गई है।
5. तलाक के मामलों में वृद्धि।
6. बाल विवाह के मामलों में कमी।

भारतीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नवतेज सिंह जौहर वाद में समलैंगिक संबंधों को गैर कानूनी मानने वाली धारा को समाप्त करने का आदेश दिया था।

समलैंगिक विवाह के कानूनी समर्थन का महत्व

① यह सुप्रीम कोर्ट के 'नवतेज सिंह जौहर वाद' के अनुकूल होगा।

② पुट्टास्वामी वाद में दिए गए 'निजता के मूल अधिकार' के अनुकूल होगा।

③ यह समलैंगिक जोड़ों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा अनुच्छेद 21 के अनुकूल होगा।

हालाँकि भारतीय समाज में तृतीय लिंगीयों के प्रति संवेदीकरण बढ़ाने की आवश्यकता है अन्यथा समलैंगिक विवाह से सामाजिक ताने-बाने पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

10. परस्पर संबद्ध विश्व में मानसिक कल्याण को प्रभावित करने वाले कारकों की बहुलता को ध्यान में रखते हुए, बेहतर मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त करने में आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

Considering the multiplicity of factors affecting the mental well-being in an inter-connected world, discuss the various challenges in achieving sound mental healthcare. (Answer in 150 words) 10

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व में प्रत्येक 10वां व्यक्ति किसी न किसी मानसिक समस्या से ग्रस्त है। वर्तमान में तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य ने इस समस्या को और ज्यादा बढ़ा दिया है।

मानसिक कल्याण को प्रभावित करने वाले कारक

① मशीनीकरण के दौर में नौकरी के घटते अवसर → इससे आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव फलतः मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित।

② प्रवासन की बढ़ती समस्या → नई जगह पर अनुकूलन व बेहतर जीवन स्थिति के लिए संघर्ष

③ जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव → प्रभावित समुदायों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

④ उपभोक्तावादी संस्कृति का तेजी से प्रसार →

2085
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अन्य की तुलना में कम संसाधन, ज्यादा की चाह लेकिन प्राप्ति नहीं → मानसिक स्वास्थ्य का प्रभाव।

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में चुनौती

① मनोचिकित्सकों की कम संख्या → भारत में 7 लाख लोगों पर केवल 1 मनोचिकित्सक।

② मनोरोग को 'सामाजिक कलंक' मानना।

③ देखभाल कर्मियों को मनोरोग के संबंध में पर्याप्त प्रशिक्षण का अभाव।

④ इस क्षेत्र में पर्याप्त शोध एवं विकास का अभाव।

⑤ लोगों में जागरूकता की कमी।

तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में मनोरोगियों का बढ़ता बोझ किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक है अतः चिकित्सा पर GDP का 6% तक खर्च कर इस क्षेत्र में शोध बढ़ाकर SDG-3 को प्राप्त किया जा सकता है।

11. प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक, भारत में प्रमुख मुद्राशास्त्र चरणों का सविस्तार वर्णन कीजिए। साथ ही, चर्चा कीजिए कि सिक्कों का अध्ययन किस प्रकार इतिहास को समझने में मदद करता है।
Elaborate upon the major numismatic stages in India from the ancient to modern times. Also, discuss how the study of coins helps in understanding history. (Answer in 250 words) 15

मुद्राशास्त्र से तात्पर्य 'मुद्रा के अध्ययन' (मुद्रा की छपाई, प्रयुक्त धातु आदि) से लिया जाता है। इसमें प्राचीनकाल से लेकर वर्तमान तक अनेक परिवर्तन हुए हैं।

मुद्राशास्त्र के विभिन्न चरण

① महाजनपद काल तक वस्तु विनिमय प्रणाली का प्रचलन था अतः मुद्रा के रूप में वस्तुओं का प्रयोग किया जाता था।

② मौर्य काल → इस दौरान आहत सिक्कों का विकास हुआ। इन्हें धातु पर चोट करके बनाया जाता था।

③ मौर्यकाल के पश्चात शक व कुषाण शासकों के अधीन मुद्राशास्त्र का तेजी से विकास हुआ। उदा. → पण व कर्षापण नामक सिक्के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) इस दौरान पहली बार सोने के सिक्के चलाए गए।

(b) पहली बार सिक्कों पर शासकों के नाम को लिखा गया। (कालक्रम का भी अंकन)

(4) गुप्त काल में भी सोने के सिक्कों का प्रचलन था। (शासक को वीणा बजाते हुए दिखाया गया)

(5) सल्तनत काल में चाँदी व पीतल के सिक्कों का अधिक प्रचलन था। उदा. → जीतल व टका नामक सिक्का।

(a) मुहम्मद बिन तुगलक का प्रयोग → सिक्कों पर अंकित मूल्य उनके वास्तविक मूल्य से अधिक

(6) मुगलों के समय 'टका' व रुपये (शेरशाह) का प्रचलन था।

(7) अंग्रेजों ने समस्त भारत में एकसमान मुद्रा प्रणाली अपनाने का प्रयास किया।

(8) स्वतंत्रता के पश्चात 'Coinage Act' जैसे अधिनियमों द्वारा मुद्रा की छपाई को नियंत्रित किया गया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सिक्कों को इतिहास के अध्ययन हेतु महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्रोत माना जाता है। इनका अध्ययन इतिहास समझने में मददगार होता है →

① सिक्कों के माध्यम से साम्राज्य विस्तार का अनुमान लगता है।

② इनके माध्यम से व्यापार संबंधों को समझा जा सकता है।
उदा.- हड़प्पा व मेसोपाटामिया में मुहरों के माध्यम से व्यापार का पता।

③ साम्राज्य की समृद्धि का अनुमान → प्रयुक्त धातु के माध्यम से
उदा.→ परवर्ती गुप्त शासकों के समय स्वर्ण सिक्कों का अभाव

④ सिक्के 'लिखित स्रोतों' को वैधता प्रदान करते हैं।

इस तरह सिक्कों का अध्ययन किसी भी साम्राज्य की अर्थव्यवस्था, समृद्धि, आदि को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. दलित अधिकारों के समर्थक के रूप में प्रसिद्ध होने के बावजूद, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का योगदान इससे कहीं अधिक है और इसमें कई अन्य विषय भी शामिल हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।
Despite being celebrated as the champion of Dalit rights, the contributions of Dr. B.R. Ambedkar went far beyond that and encompassed a wide range of issues. Elaborate. (Answer in 250 words) 15

डॉ बी. आर. अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को वर्तमान महाराष्ट्र में एक दलित परिवार (महार जाति) में हुआ था। उन्हें 'आधुनिक मनु' तथा 'भारतीय संविधान के निर्माता' की संज्ञा दी जाती है।

उन्होंने 1932 में पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर कर दलितों के लिए आरक्षण व्यवस्था को स्वीकार किया। इसके अतिरिक्त दलित शिक्षा, उनमें बुराइयों का उन्मूलन जैसे प्रयासों के कारण दलितों का मसीहा माना जाता है। इसके अतिरिक्त उनके योगदान निम्न हैं →

(1) महिला अधिकारों के पक्षधर → उनका मानना था कि किसी देश में प्रगति का आकलन वहाँ की महिलाओं की स्थिति से लगाया जा सकता है।
- महिला शिक्षा के पक्षधर।

② संविधान निर्माण में, → ये संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे। साथ ही विभिन्न संविधानों का अध्ययन कर इन्होंने 'मूल अधिकारों' जैसे भाग को संविधान में शामिल करवाने में अहम योगदान दिया।

③ साहित्य के क्षेत्र में व पत्रकारिता → इन्होंने 'एनहिलेशन ऑफ कास्ट', 'कास्ट सिस्टम इन इंडिया' जैसी कई पुस्तकें लिखी।
• 'मूक नायक' नामक पत्र का संपादन → इसमें इन्होंने कई सामाजिक बुराइयों को उठाया।

④ राजनीति के क्षेत्र में → आजाद भारत की पहली निर्वाचित सरकार में 'विधी मंत्री' का पद संभाला → इस दौरान 'हिन्दू विवाह अधिनियम', विशेष विवाह अधिनियम आदि पारित करने में अहम योगदान रहा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(8) इसके अतिरिक्त इन्होंने 'तीनों गोलमेज सम्मेलनों' में भाग लिया, अपने अंतिम दिनों में बौद्ध धर्म को ग्रहण किया फलतः देश में खासकर दलितों में बौद्ध धर्म के प्रति आकर्षण बढ़ा।

इनके अतुलनीय योगदान के चलते इन्हें 'भारत रत्न' के सम्मान से नवाजा गया था।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. 1930-34 के सविनय अवज्ञा आंदोलन को एक अद्वितीय विशेषता, क्षेत्रीय स्थानिक पैटर्न और लामबंदी के नए तरीकों को शामिल करने के लिए जाना जाता है। स्पष्ट कीजिए।
The Civil Disobedience Movement of 1930-34 was marked by a unique character, regional spatial patterns and employment of new mobilization techniques. Elucidate. (Answer in 250 words) 15

सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत मार्च 1930 में दांडी मार्च के रूप में हुई जिसमें नमक कानून को तोड़कर इसका विरोध किया गया। यह महात्मा गाँधी के नेतृत्व में दूसरा बड़ा आंदोलन था, जो कई मामलों में विशिष्ट रहा।

सविनय अवज्ञा आंदोलन की अद्वितीय विशेषता

① इसका प्रसार समस्त भारत में हुआ तथा क्षेत्रीय नेताओं द्वारा नेतृत्व प्रदान किया गया जैसे → राजगोपालाचारी, सरोजिनी नायडू आदि।

② सभी वर्ग (छात्र, वकील, जमींदार, किसान, जनजाति आदि) इस आंदोलन में शामिल हुए।

③ इसमें प्रतीक के रूप में नमक को शामिल करना → यह प्रत्येक व्यक्ति को प्रभावित करने वाला मुद्दा था।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) पहली बार काँग्रेस के नेतृत्व में औपनिवेशिक कानून तोड़ने की बात की गई।

क्षेत्रीय स्थानिक पैटर्न,

- इस आंदोलन में क्षेत्र विशेष में अलग-अलग पैटर्न अपनाए गए।

(1) तटीय क्षेत्रों में नमक कानून तोड़ने के लिए 'पैदल मार्च' निकाले गए

(उदा) मद्रास में तिरुचिरापल्ली से वेदारण्यम तक → सी- राजगोपालाचारी द्वारा

(b) मालाबार तट पर के कलप्पनम द्वारा

(c) धरसणा तट पर सरोजिनी नायडू द्वारा।

(2) आंध्रप्रदेश में 'शिविरम' का आयोजन।

(3) स्थायी बंदोबस्त वाले क्षेत्रों में 'चौकीदार कर रोको आंदोलन।

(4) महालवाड़ी बंदोबस्त व रैय्यतवाड़ी वाले क्षेत्रों में 'कर अदायगी (भू-राजस्व) से मना।

(5) मध्य भारत में → 'वन कर' की अदायगी पर रोक।

⑥ पश्चिमोत्तर भारत में 'सीमांत गांधी (खान अब्दुल गफ्फार खान) के नेतृत्व में विरोध।

लामबंदी के नए तरीके

① लड़को द्वारा 'वानर सेना' व लड़कियों द्वारा 'मंजरी सेना' के माध्यम से रैलियां निकाली।

② सूरत में तिरंगे की ड्रैस पहनकर लोगों में जागरूकता बढ़ाई गई।

③ 'जादुई लालटेन' के माध्यम से गुप्त संदेशों का प्रसार

④ पश्चिमोत्तर भारत में 'लाल कुर्ती दल' द्वारा जागरूकता

⑤ गुप्त रेडियो का संचालन

इस तरह सविनय अवज्ञा आंदोलन एक कमजोर होते उपनिवेश में विरोध आंदोलन का प्रतीक बन गया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. भारत के तटीय क्षेत्रों में द्वीपों के डूबने की परिघटना के लिए उत्तरदायी कारणों की व्याख्या कीजिए। साथ ही, संपूर्ण राष्ट्र और विशेष रूप से द्वीपीय समुदाय के लिए इसके संभावित प्रभावों का मूल्यांकन कीजिए।
Explain the underlying causes behind the phenomenon of sinking islands in India's coastal regions. Also, evaluate its possible implications for the nation as a whole and island communities in particular. (Answer in 250 words) 15

भारत में अंडमान निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप के रूप में 2 बड़े द्वीप समूहों को शामिल किया जाता है। ये द्वीप तटीय व पारिस्थितिकी पर्यटन के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

द्वीपों के डूबने हेतु उत्तरदायी कारण

1. जलवायु परिवर्तन → औद्योगिक क्रांति के पश्चात वैश्विक तापन में 1.2°C की वृद्धि के कारण ग्लेशियर पिघलने से समुद्री जल स्तर में बढ़ोतरी
2. वनोन्मूलन → इसके चलते भू-अपरदन में वृद्धि फलतः कटाव के चलते द्वीप का जलमग्न होना।
3. समुद्री धाराओं व जलीय आपदा जैसे चक्रवात, सुनामी के कारण तटीय

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अपरदन में वृद्धि → फलतः द्वीप का जलमग्न होना।

(4) बढ़ती असंधारणीय पर्यटन गतिविधियों से प्रवाल द्वीपों को क्षति।

(5) सुंदरवन क्षेत्र में 'सागर' नामक द्वीप का जलमग्न होना इसका उदाहरण है।

द्वीप डूबने के संभावित प्रभाव

(1) आर्थिक क्षति, (a) इससे देश को महत्वपूर्ण भू-संसाधन की क्षति होती है।

(b) द्वीप पर स्थित अवसंरचना की क्षति।

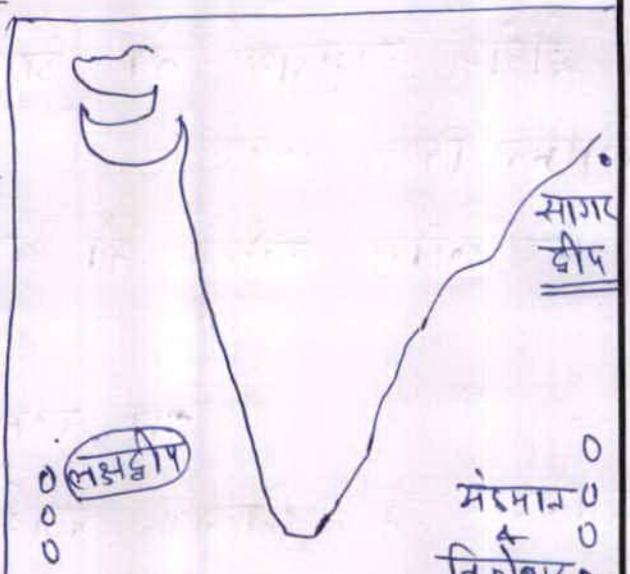

(2) सामाजिक क्षति,

(a) प्रभावित द्वीपीय समुदाय को उस क्षेत्र से प्रवास करना पड़ता है → अतः दूसरे क्षेत्रों में संसाधनों पर दबाव बढ़ता है।

(b) प्रभावित समुदाय के मानसिक स्तर पर नकारात्मक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रभाव

(3) इससे देश में पर्यटन गतिविधियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

क्या किया जाए?

(1) जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों से बचने के लिए पंचामृत व नेट जीरो के लक्ष्य की दिशा में गंभीर प्रयासों की जरूरत।

(2) द्वीपीय समुदाय को आपदा के प्रति प्रशिक्षित किया जाए।

(3) संधारणीय पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए।

इस तरह भारत जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में अपना योगदान दे सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. भारत में संधारणीय पर्यटन के संबंध में क्षेत्र-विशिष्ट बाधाओं का एक समालोचनात्मक विवरण दीजिए।
Give a critical account of region-specific constraints with regard to sustainable tourism in India. (Answer in 250 words) 15

• संधारणीय पर्यटन से तात्पर्य सभी हितधारकों (पर्यटकों, सरकार, क्षेत्रीय समुदाय आदि) की जरूरतों को ध्यान में रखकर इस तरह की पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना है जिससे पर्यटक स्थलों को आने वाली पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखा जा सके।

संधारणीय पर्यटन में क्षेत्र विशिष्ट बाधाएँ

① हिमालयी क्षेत्र →

ⓐ अत्यंत जैव विविधता तथा दुर्गमता के कारण यह क्षेत्र अत्यंत 'फ्रेजाइल' है।

ⓑ असंधारणीय पर्यटन के चलते इस क्षेत्र में 'प्लास्टिक प्रदूषण' की समस्या बढ़ी है।

ⓒ भूकंप के जोन-5 में आने के कारण अवसंरचनात्मक परियोजनाओं के विकास में बाधा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

② पूर्वोत्तर क्षेत्र,

ⓐ अवसंरचनात्मक विकास का निम्न स्तर तथा देश के बाकि हिस्सों से कम जुड़ाव

ⓑ हिमालयी क्षेत्र की उपस्थिति → दुर्गमता व जैव विविधता के नुकसान को खतरा

ⓒ भाषायी अवरोध की समस्या।

③ तटीय क्षेत्र

ⓐ प्लास्टिक के अत्यधिक प्रयोग से तटीय पारिस्थितिक तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव

ⓑ कोस्टल रेगुलेशन जोन (CRZ) का कठोरतापूर्वक पालन नहीं।

ⓒ जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ता जल स्तर

④ पश्चिमी क्षेत्र व मध्य भारत,

ⓐ आर्थिक संसाधनों के अभाव के चलते अवसंरचनात्मक विकास का अभाव।

ⓑ लोगों के मध्य जागरूकता का

निम्न ~~आवास~~ स्तर।

ⓒ जलवायु परिवर्तन के कारण ग्रीष्म काल में हीट वेव, पानी की कमी जैसी समस्याओं से जूझना।

अतः पर्यटन स्थलों पर अवसंरचनात्मक विकास करते हुए तथा सुभेद्य क्षेत्रों की जैव विविधता को ध्यान में रखकर सैधारणीय पर्यटन के माध्यम से SDG 8 को प्राप्त किया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. पारिस्थितिक तंत्र के लिए मृदा द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए, भारत में संधारणीय मृदा प्रबंधन के महत्व पर चर्चा कीजिए।
In view of the important role played by soil for the ecosystem, discuss the significance of sustainable soil management in India. (Answer in 250 words) 15

मृदा भू-पर्पटी की सबसे ऊपरी परत होती है जो कि खनिज तथा जैविक पदार्थों से मिलकर बनती है। मृदा के निर्माण में चट्टान, समय, कार्बनिक पदार्थ आदि तत्वों का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

पारिस्थितिक तंत्र के लिए मृदा की भूमिका

① जैव विविधता → मृदा वृक्षों को उगने के लिए अनुकूल दशा व आधार प्रदान करती है।

② कार्बन संग्रहण → पेड़ों की जड़ों के माध्यम से कार्बन का संग्रहण

③ विभिन्न जैविक पदार्थों व जीवों हेतु आश्रय स्थल।

④ खाद्य सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) अपरद श्रृंखला तथा विभिन्न खाद्य श्रृंखलाओं को पूरा करने में योगदान।

(6) कार्बन चक्र में महत्वपूर्ण भूमिका।

संधारणीय मृदा प्रबंधन से तात्पर्य आने वाली पीढ़ी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर मृदा संसाधन का उपयोग करना है।

\# संधारणीय मृदा प्रबंधन का महत्व,

(1) इससे बढ़ते मृदा निम्नीकरण को रोका जा सकता है। (ISRO के अनुसार 30% भूमि निम्नीकृत दशा में)

(2) मृदा प्रदूषण को कम किया जा सकेगा।

(3) बढ़ती खाद्य आवश्यकताओं को पूरा करने में अहम योगदान

(4) इससे उर्वरकों के अनियंत्रित इस्तेमाल को रोका जा सकेगा।

2085
VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) जैव विविधता को संरक्षित किया जा सकेगा।

(c) तेजी से बढ़ते मरुस्थलीकरण को रोकने में सहायक।

इस तरह संधारणीय मृदा प्रबंधन के माध्यम से बढ़ती जनसंख्या की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के साथ साथ जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को भी कम किया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. जेट धाराएं भारत और विश्व की जलवायु को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।
Jet streams play an important role in altering the climate of India and the world. Discuss with examples. (Answer in 250 words) 15

जेट धाराएं सामान्यतः पश्चिम से पूर्व की ओर ओजोन सीमा के निकट चलने वाली भू-विक्षेपी पवनें होती हैं। ये मुख्य तौर पर कर्क व मकर रेखा के उत्तर व दक्षिण में बहती हैं।

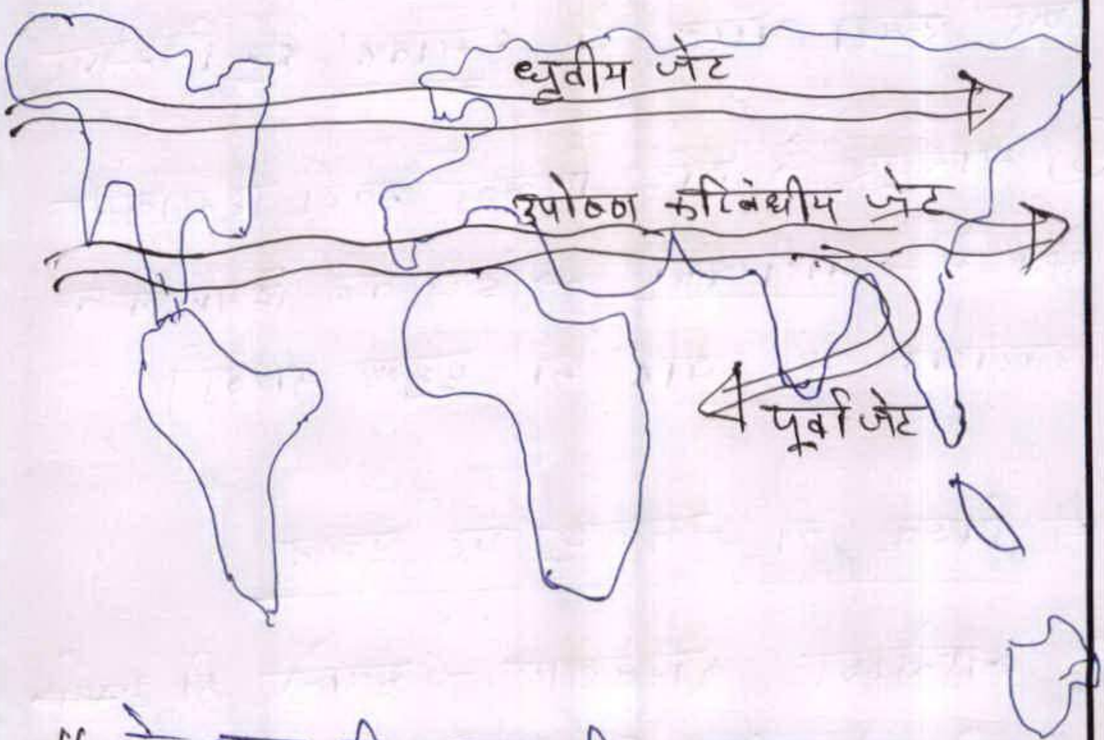

जेट धारा की भारत की जलवायु पर प्रभाव

① मानसून पर प्रभाव → भारत में मानसून का आगमन उपोष्ण जेट धारा के हिमालय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के उत्तर में चले जाने पर होता है।

(b) पूर्वी जेट द्वारा दक्षिण भारत में मानसूनी वर्षा होती है साथ ही यह ~~उत्तर पर~~ दक्षिण पश्चिमी मानसून को भारत की ओर आकर्षित करती है।

(2) पश्चिमी विक्षोभ → उपोष्ण जेट धारा भूमध्यसागरीय चक्रवातों से आर्द्रता ग्रहण कर उत्तरी भारत में 'मावठ' हेतु जिम्मेदार

(3) मानसून के साथ मिलकर उत्तरी हिमालयी क्षेत्र में 'भारी वर्षा' → इस वर्ष हिमाचल व उत्तराखंड में बाढ़ का प्रमुख कारण।

विश्व की जलवायु पर प्रभाव

(1) शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवातों की ~~उत्पत्ति~~ उत्पत्ति के लिए जिम्मेदार (वाताग्र जनन में योगदान)

(2) ध्रुवीय जेट के कमजोर पड़ने पर

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

'Polar vortex' के प्रभावी होने से उत्तरी अमेरिका में शीतलहर की स्थिति

(3) हानिकारक गैसों को समतापमंडल में पहुंचाकर ओजोन परत को नुकसान।

इस तरह जेट स्ट्रीम का विश्व की जलवायु पर बृहद स्तर पर प्रभाव पड़ता है। अतः इस क्षेत्र में और ज्यादा शोध की जरूरत है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. भारत में मलिन बस्तियों के निर्माण और इसके प्रसार के लिए उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत इन-सीटू स्लम पुनर्विकास योजना में सुधार की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

Highlighting the factors responsible for the formation and proliferation of slums in India, discuss the need to revamp the In-Situ Slum Redevelopment (ISSR) scheme under the Pradhan Mantri Awas Yojana (Urban). (Answer in 250 words) 15

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार भारत की शहरी जनसंख्या का लगभग 1/3 हिस्सा मलिन बस्तियों में निवास करता है।

उदा. → मुंबई की धारावी बस्ती
· दिल्ली की दया बस्ती

मलिन बस्तियों के निर्माण व प्रसार के कारण →

1. तीव्र शहरीकरण → गाँवो से जनसंख्या का शहरों में पलायन, शहरी अवसंरचना उसे वहन करने में अक्षम

2. निर्धनता → गरीब व मजदूर वर्ग के लोग शहरों में महंगे किराये को वहन करने में सक्षम नहीं।

3. शहरों का अनियोजित विकास।

2085
VISION IAS™
Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) शहरी स्थानीय स्वशासन का आर्थिक रूप से कमजोर होना।

(6) शहरी विकास के राष्ट्रीय मास्टर प्लान का अभाव।

PMAY (शहरी) के माध्यम से मलिन बस्तियों की समस्या को दूर करने का सरकारी प्रयास किया जा रहा है। इसके पाँच घटक हैं

(1) इन-सीटू स्लम पुनर्विकास
(2) अफोर्डेबल रेंटल हाउस काम्पलेक्स
(3) अफोर्डेबल हाउसिंग पार्टनरशिप

आदि।

इन-सीटू स्लम पुनर्विकास योजना में सुधार की जरूरत →

(1) बॉटम - अप - अप्रोच को अपनाया

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जाए।

(2) निजी निवेश को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाए।

(3) शहरी स्थानीय स्वशासन की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

(4) स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर परियोजनाओं को स्वीकरण।

2050 तक भारत में नगरीय जनसंख्या बढ़कर 50% हो जाएगी अतः मलिन बस्तियों की समस्या को प्राथमिकता में रखकर हल किया जाए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. भारत में निर्धनता और पर्यावरण क्षरण के बीच संबंध पर प्रकाश डालिए। निर्धनता में कमी करने से संबंधित प्रयास किस प्रकार संधारणीय विकास को बढ़ावा देने और पर्यावरण की सुरक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं?

Bring out the relationship between poverty and environmental degradation in India. How can poverty reduction efforts play an important role in promoting sustainable development and safeguarding the environment? (Answer in 250 words) 15

निर्धनता से तात्पर्य ऐसी स्थिति से है जिसमें व्यक्ति अपनी मूलभूत आवश्यकताओं को समय पर पूरा करने में अक्षम होता है।

पर्यावरण क्षरण व निर्धनता को आपस में जोड़कर देखा जाता है अर्थात ये एक दूसरे के कारण व परिणाम हैं।

निर्धनता का पर्यावरण क्षरण पर प्रभाव

1. कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते कृषि में असंधारणीय प्रथाओं को अपनाने की मजबूरी जैसे → झूम कृषि
2. अपशिष्ट की रिसाइक्लिंग करने में

2085
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अक्षमता → पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है।

③ वनीकरण हेतु पर्याप्त आर्थिक संसाधनों की कमी।

④ शोध व विकास का निम्न स्तर।

पर्यावरण क्षरण से निर्धनता

① भूमि की उत्पादकता में कमी → कम उत्पादन

② वनोन्मूलन के कारण → वन उपज पर निर्भर आबादी की आय में कमी।

③ प्रदूषण के प्रभावों से निपटने में अक्षमता

☆ निर्धनता में कमी के प्रयासों का संधारणीय विकास व पर्यावरण सुरक्षा में भूमिका

→① निर्धनता में कमी से 'शोध व विकास' को बढ़ावा मिलता है फलतः पर्यावरण सुरक्षा के प्रयास बढ़ेंगे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

② ~~लोगों~~ लोग संधारणीय प्रथाओं को अपना सकेंगे।

③ लोगों के मध्य जागरूकता बढ़ेगी।

④ सस्ते व पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाले उत्पादों की माँग में कमी आयेगी।

⑤ अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा।

इस तरह निर्धनता व पर्यावरण क्षरण के कुचक्र को तोड़ने की जरूरत है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. वैश्वीकरण और धर्म के बीच का संबंध जटिल रहा है, साथ ही दोनों के बीच की अंतःक्रिया के परिणामस्वरूप नई संभावनाएं और चुनौतियां उभर रही हैं। चर्चा कीजिए।
The relationship between globalisation and religion has been a complex one with new possibilities and challenges emerging as a result of the interaction between the two. Discuss. (Answer in 250 words) 15

वैश्वीकरण से तात्पर्य आचार-विचार, वस्तु व लोगों की अबाध आवाजाही होने से है। वैश्वीकरण का प्रभाव व्यापार से लेकर धर्म जैसे क्षेत्रों पर भी पड़ा है।

वैश्वीकरण व धर्म की अंतःक्रिया से उभरी संभावनाएं →

① विभिन्न धर्मों के बीच सांप्रदायिक सौहार्द्र व एक-दूसरे धर्म के प्रति समझ में बढ़ोतरी।

② विभिन्न धार्मिक त्योहारों का वैश्वीकरण जैसे → नव वर्ष, क्रिसमस, दीपावली, ईद आदि।

③ समझ बढ़ने से धार्मिक कट्टरता में कमी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चुनौतियाँ

① धर्मों के बीच आपसी टकराहट की संभावना बढ़ी है।
जैसे → कनाडा व आस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले।

② इससे 'धार्मिक सर्वोच्चता' की लड़ाई जन्म ले सकती है।

③ धार्मिक नेताओं में अपने-2 धर्म को लेकर संशय की स्थिति उत्पन्न हुई है।

④ धर्म पर आधारित आतंकवादी व उग्रवादी घटनाओं में वृद्धि।

⑤ धार्मिक पहचान खोने का डर।

इस तरह वैश्वीकरण संभावना व चुनौती दोनों उत्पन्न करता है। अतः सावधानी पूर्वक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चुनौतियों को दूर किया जाए।